हर घर जल
जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन

हर घर पानी, खुद निगरानी

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश

यूपी में **जल जीवन मिशन** के कार्यक्रमों व योजनाओं को मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है। **जल जीवन मिशन** की **'हर घर जल'** योजना गुणवत्ता और समय पर पूरी हो रही है। पाइप पेजयल योजनाओं के माध्यम से जलापूर्ति **"ईज ऑफ लिविंग"** के लिये आवश्यक है। शुद्ध पेयजल से बीमारियों को भी दूर करने में मदद मिल रही है।

एक पवित्र भाव के साथ अगर हर व्यक्ति जल की एक-एक बूंद की कीमत समझने लगेगा तो आने वाले समय में जल संकट नहीं खड़ा होगा

"जीव" और "जल" के बिना

"सृष्टि" की कल्पना नहीं की जा सकती

जल की एक-एक बूंद को संरक्षित करने में अपना योगदान दें

मा. श्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश

यूपी में आज "हर घर जल" अभियान "जन आंदोलन" बन चुका है।
मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में गांव, गरीब, किसानों के कल्याण के लिए जन-जन तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का सपना यूपी के मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में पूरा किया जा रहा है। हर घर जल योजना को रफ्तार देने के लिए सुदृढ़ प्लानिंग, प्रभावी क्रियान्वयन, सतत निगरानी और टीम भावना के साथ तेजी से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश सरकार तय समयसीमा के अंदर ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने के लिये संकल्पबद्ध है।

मा. श्री स्वतंत्र देव सिंह
जल शक्ति मंत्री
उत्तर प्रदेश सरकार

जल जीवन मिशन योजना गांव, गरीब, किसान और प्रत्येक ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सौगात देने का पवित्र कार्य कर रही है।

मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन को मूर्त रूप देने के लिए और जल प्रबंधन को बेहतर करने के लिए यूपी में तीव्र गति से काम हो रहे हैं। लाखों परिवारों के जीवन में सुधार हो रहा है।

मा. श्री दिनेश खटीक

राज्य मंत्री, जल शक्ति

उत्तर प्रदेश सरकार

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में यूपी के हर ग्रामीण परिवार तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का संकल्प पूरा किया जा रहा है।

विभाग के अधिकारी और कर्मचारी टीम भावना के साथ निरंतर योजना को जमीन पर उतारने के लिए तत्पर हैं। हर व्यक्ति पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा है, जिससे हर घर को स्वच्छ जल पहुंचने का सपना साकार हो रहा है।

मा. श्री रामकेश निषाद

राज्य मंत्री

उत्तर प्रदेश सरकार

"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन, माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण परिवारों में नल से स्वच्छ जल पहुंचाने के लिए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग संकल्पबद्ध है। विभाग की पूरी टीम ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में समर्पित भाव से युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। राज्य सरकार जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से प्रतिदिन 40 हजार से अधिक नए ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन देने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री जी की परिकल्पना को मूर्त रूप देते हुए प्रदेश सरकार स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के साथ ही जल संचयन, जल संरक्षण पर भी तेज गति से कार्य कर रही है। प्रदेश में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, भूगर्भ जल और नदी, तालाब, कुओं के संरक्षण के जरिए जल भंडारण को भी सुनिश्चित किया जा रहा है।"

श्री अनुराग श्रीवास्तव

प्रमुख सचिव

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश

"माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन की 'हर घर जल योजना' संकल्प से सिद्धि की ओर तेजी से अग्रसर है। उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन नित्य नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए प्रत्येक ग्रामीण परिवारों तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का काम कर रहा है। जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारी और कर्मचारी ग्रामीण क्षेत्र में हर घर को स्वच्छ पेयजल आपूर्ति से जोड़ने के लिए समर्पित भाव से धरातल पर कार्यरत हैं। हम हर दिन स्वच्छ पेयजल आपूर्ति की दिशा में एक नया कदम बढ़ा रहे हैं।इस वृहद मिशन से प्रतिदिन हजारों नए परिवार जुड़ रहें हैं। इसके साथ ही सामाजिक संस्थाओं और जल प्रतिनिधियों का सहयोग भी प्राप्त हो रहा है।"

डॉ. बलकार सिंह

प्रबंध निदेशक

जल निगम (ग्रामीण), उत्तर प्रदेश

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उन्नति को छूती हुई जल जीवन मिशन की 'हर घर नल योजना' निरंतर नए आयाम स्थापित कर रही है। एक के बाद एक नए कीर्तिमानों को गढ़ते हुए वो लक्ष्य प्राप्ति की ओर तेजी से बढ़ रही है। प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक नल से जल पहुंचाने का काम उत्तर प्रदेश में तीव्र गति से पूरा किया जा रहा है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग योजना को पूरा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। अधिकारी और कर्मचारी लक्ष्य को पूरा करने में दिन-रात जुटे हैं।

श्री प्रिय रंजन कुमार

अधिशासी निदेशक

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश

Map view of FHTCs Status (as on 01st April 2019)

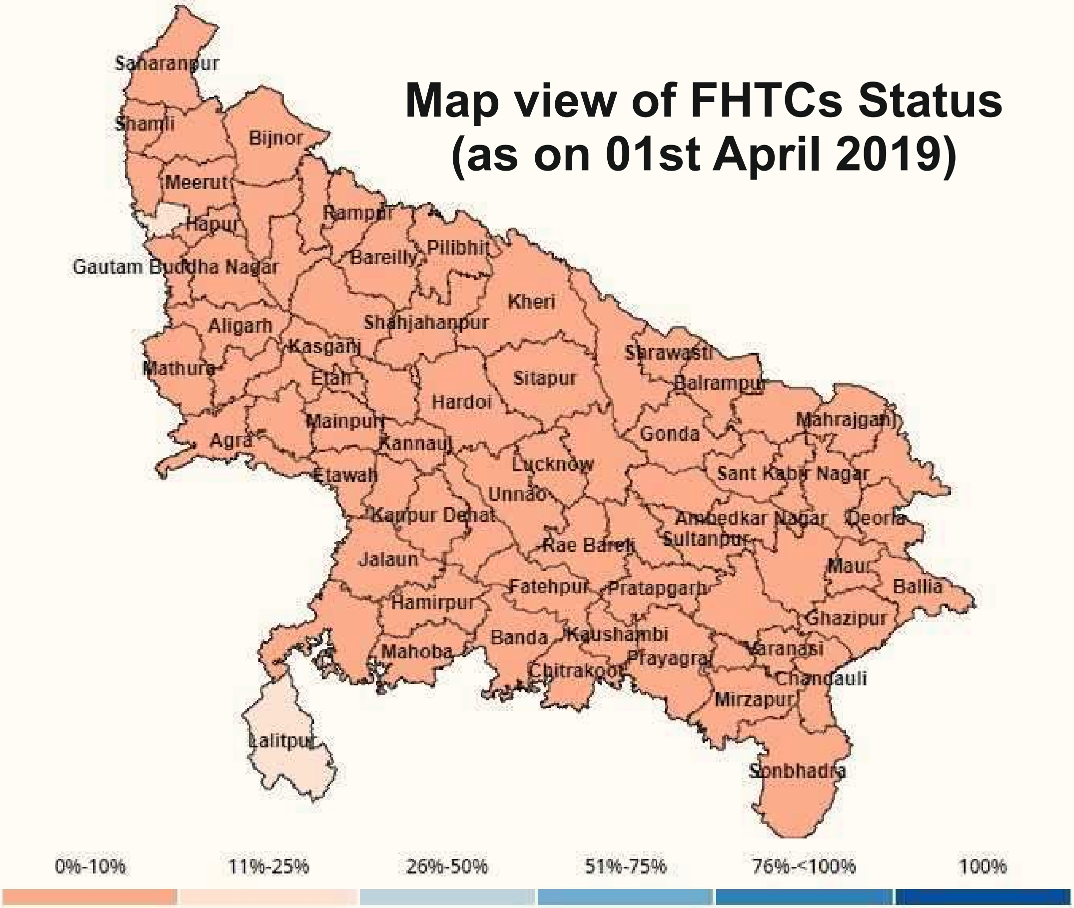

Map view of FHTCs Status
(as on 21st January 2023)

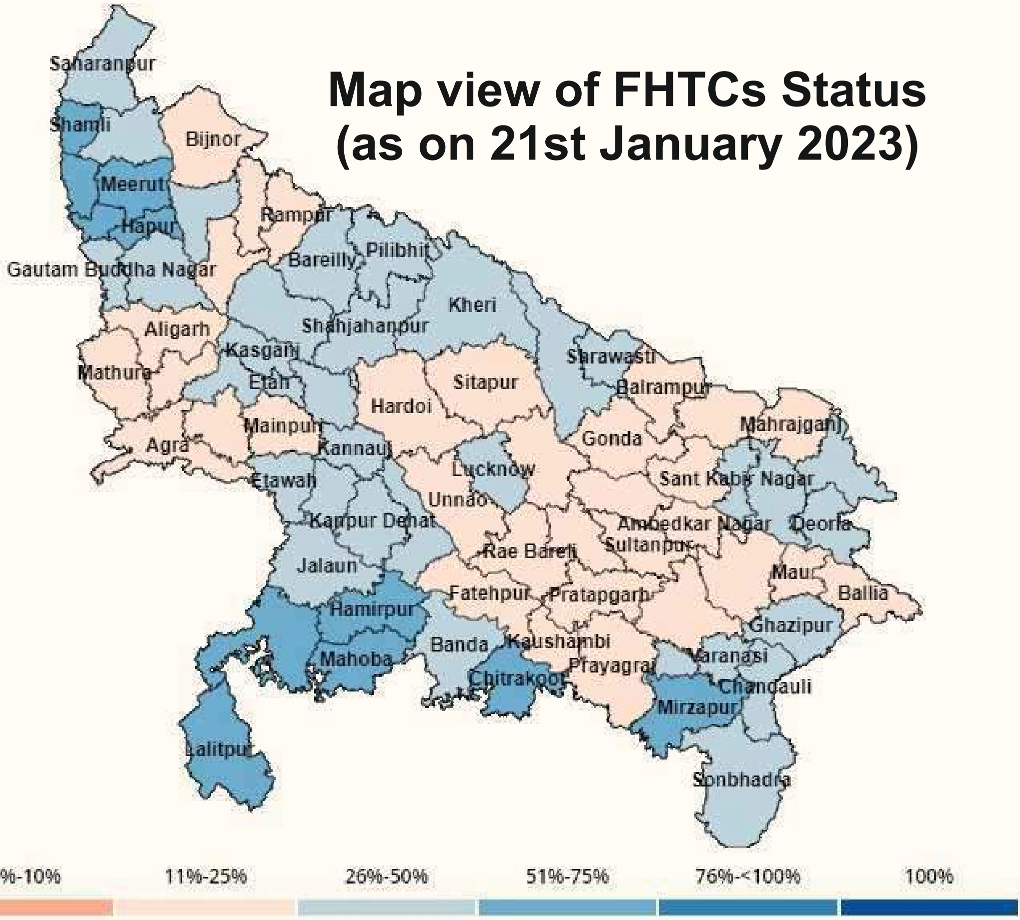

जल जीवन मिशन से खिली ग्रामीणों के चेहरों पर मुस्कान

परिचय

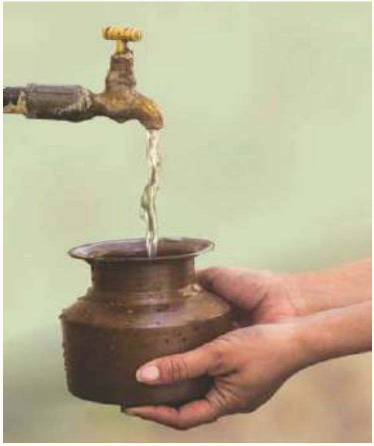

प्रदेश की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में तथा शासन व्यवस्था में हाल के वर्षों में हुए व्यापक सुधार के फलस्वरूप आम लोगों, खासकर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों की उम्मीदें भी काफी बढ़ गई है। बुनियादी सुविधाओं में अब अपना शौचालय, बैंक खाता, बिजली, बेहतर सड़कें, स्वास्थ्य सेवाएँ और घरेलू गैस कनेक्शन भी शामिल हो गए हैं। गांवों के लोग अब उम्मीद करने लगे हैं कि शहरों/ कस्बों की तरह ही पीने के शुद्ध पानी की सप्लाई नल से सीधे उनके घर में हो! इस बुनियादी जनाकांक्षा को पूरा करने के लिए भारत सरकार ने 'जल जीवन मिशन' शुरू किया है।

गांवों में रहने वाले लोगों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन लाने के लिए 'जल जीवन मिशन' की घोषणा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2019 को स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से की गई थी। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य 2024 तक देश के सभी ग्रामीण परिवारों को उनके घर में नियमित रूप से नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध करा कर उनके, खासकर महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाना है।

इस मिशन की घोषणा से पहले देश के ग्रामीण इलाकों में लोगों को पानी सप्लाई करने की नीति ये थी कि, पूरे गाँव में लोगों के घरों के बाहर एक-आद जगह पर साझा हैंडपंप या नलका लगा दिया जाता था, जहां आ कर सभी लोग अपने लिए पानी भरते थे। ऐसी जगहों पर अक्सर काफी भीड़ हो जाती है, और पानी की कमी के समय में तो लंबी-लंबी कतारें लग जाती है। और अगर कोई बीमारी फैल जाए तो ऐसे साझे जल सप्लाई स्थल बीमारी फैलाने की भी जगह बन जाते हैं। इन सब समस्याओं को दूर करने और गांवों के लोगों के जीवन को आसान बनाने के उद्देश्य को हासिल करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 'जल जीवन मिशन' राज्यों के साथ मिल कर चलाया जा रहा है और इस पूरी योजना के लिए पर्याप्त धन और कर्मचारियों आदि की व्यवस्था की गई। गांवों के हर घर में नल से जल पहुँचने से ग्रामीण महिलाओं और बहू-बेटियों को दूर-दूर से पानी लाने की मजबूरी से मुक्ति मिल जाएगी और वे उस बचे हुए समय का सदुपयोग अपनी पढ़ाई-लिखाई या अपने विकास से जुड़े अन्य कार्यों के लिए कर सकेंगी।

बदलते यूपी की नई तस्वीर

यूपी में 2.62 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण परिवार हैं। इनमें से 15 अगस्त 2019 तक लगभग 5.16 लाख (1.97 प्रतिशत) ग्रामीण परिवारों के घरों में ही पीने के पानी का नल कनेकशन था। शेष 2.57 करोड़ परिवारों को घर से दूर, कहीं-कहीं तो मीलों दूर जाकर पीने के लिए पानी की व्यवस्था करनी पड़ती थी। जल संकट से जूझ रहे इलाकों में तो स्थिति और भी खराब थी। गर्मियों के मौसम में या भयंकर सर्दियों में तो यह परेशानी और बढ़ जाती थी जिसका सीधा असर ग्रामीणों के जीवन स्तर पर पड़ता था, खासकर माताओं और बहू-बेटियों के मामले में यह मुददा उनकी सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ था।

बुंदेलखंड-विंध्य की बात करें तो यहां तो पथरीली और तपती जमीन पर महिलाओं को जल श्रोतों तक जाना पड़ता था। सूखा ग्रस्त इलाकों में तो पानी के टैंकरों और यहां तक की रेलवे रैक आदि से भी जलापूर्ति की जाती थी। सदियों से चले आ रही इस अभाव को दूर करने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जल संकट के स्थायी समाधान के लिए जल जीवन मिशन के रूप में संकल्प लिया। आजादी के 70 साल में केवल (516221) करीब 1.97 प्रतिशत ग्रामीण घरों में ही पीने का पानी पहुंच पाया था, मगर यह मिशन शुरू कर प्रधानमंत्री जी के मार्गदशर्न और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में 3 साल की अवधि में यूपी के बचे 1.90 करोड़ ग्रामीण घरों में नल से स्वच्छ जल पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। जिसपर पूरी तेजी और निष्ठा से काम चल रहा है। इसी निष्ठा और पूर्ण समर्पण से किये जा रहे प्रयासों का फल है कि जनवरी 2023 में हम 75 लाख परिवारों तक नल कनेक्शन पहुंचाने जा रहे हैं। करीब 72.30 लाख ग्रामीण घरों में नल से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति होने लगी है।

जल जीवन मिशन: मुख्य बातें

मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2019 को 73वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से इसकी घोषणा की। इस अभियान के तहत वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 'जल जीवन मिशन' के लिए 3.60 लाख करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

इस मुहिम से प्रत्यक्ष तौर पर 19 करोड़ ग्रामीण परिवारों अर्थात 90 करोड़ से अधिक ग्रामीणजनों को लाभ मिलेगा।

'जल जीवन मिशन' से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के बीच का अंतर कम होगा तथा ग्रामीण जन-जीवन की गुणवत्ता में सुधार आएगा।

गांवों में अनेक बीमारियाँ गंदे पानी के सेवन से होती हैं, इसलिए इस मिशन से स्वास्थ्य लाभ मिलना भी तय है। खासकर बच्चों और बुज़ुर्गों के मामले में क्योंकि शुद्ध पीने का पानी मिलने से उन्हें बीमारियाँ कम होंगी।

जल जीवन मिशन के लिए आवंटित धनराशि में से विभिन्न राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को समय-समय पर धन जारी किया जाता है, ताकि वे अपने यहाँ इस कार्यक्रम के तहत कार्य चला सकें और तय की गई समय-सीमा के भीतर गांवों में सभी परिवारों को नल कनेक्शन उपलब्ध करा दें।

इस विशेष कार्यक्रम से पेयजल व्यवस्था में उपयोग होने वाली वस्तुओं का कारोबार बढ़ेगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अनेक अवसर पैदा होंगे-जैसे कि प्लम्बर, मिस्त्री, इलेक्ट्रिशियन, मोटर मैकेनिक, फ़िटर, पम्प ऑपरेटर, आदि।

गाँव-स्तर पर ऐसे हुनरमंद लोग तैयार करने के लिए विशेष ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यस्था का विकास होगा।

महिला सशक्तिकरण में भी इस अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। घरों में नल से शुद्ध जल मिलने से उन्हें फालतू की मेहनत नहीं करनी पड़ेगी जिससे उनका समय बचेगा। इस बचे हुए समय का उपयोग वे अपने निजी जीवन में सुधार के लिए कर सकती हैं। निश्चित ही इससे उनके आत्मसम्मान में वृद्धि होगी।

प्रत्येक गाँव में पानी की व्यवस्था करने के काम में वहाँ के वासियों को भी शामिल किया जाएगा, जिसके लिए उन्हें ट्रेनिंग दी जाएगी। इस ट्रेनिंग की मदद से ग्रामवासी खुद अपनी पानी की सप्लाई की योजना बना

सकेंगे और सरकारी अधिकारियों की मदद से अपने गाँव में पानी की प्रणाली लगाने के बाद वे ही उसे आगे चलाएँगे।

माननीय प्रधानमंत्री ने शासन व्यवस्था के लिए "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, और सबका प्रयास" का नारा दिया है। समता पर आधारित उनकी इसी परिकल्पना के अनुसार यह भी सुनिश्चित किया गया है कि 'जल जीवन मिशन' में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं हो तथा आर्थिक रूप से निर्बल और पिछड़े व अनुसूचित जाति तथा जनजाति के परिवारों को भी नल कनेक्शन मिलने में किसी प्रकार की बाधा न आने पाए।

'जल जीवन मिशन' के तहत गांवों में स्थापित होने वाली पानी की सप्लाई की व्यवस्था पर इंटरनेट / मोबाइल फोन के ज़रिये नज़र रखी जाएगी ताकि किसी भी कमी को तत्काल दूर किया जा सके और पूरी व्यवस्था सच्ची लगन और ईमानदारी से काम कर सके।

कैसे काम करता है 'जल जीवन मिशन'

'जल जीवन मिशन' केंद्र सरकार और प्रदेश सरकारों के आपसी सहयोग से चलाया जा रहा है। देश के प्रत्येक गाँव के प्रत्येक घर में नल कनेक्शन लगाने के लिए भारत सरकार ने विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार किए हैं, जिनको आधार मान कर राज्य सरकारें गांवों में नल कनेक्शन उपलब्ध करा रही हैं। इसके लिए राज्य सरकारों को उनके काम के आधार पर केंद्र सरकार समय-समय पर धन दे रही है।

राज्य सरकारें अपने यहाँ पहले राज्य स्तर की, फिर जिला स्तर की और उसके बाद गाँव के स्तर की योजना बनाती हैं कि किस गाँव में, वहाँ की जरूरतों के हिसाब से, किस तरह की जल सप्लाई योजना लगाई जाए। इस काम में ज़िले के इंजीनियर आदि गाँव के लोगों की सभा बुलाते हैं और उन्हें योजना के सब पहलुओं की जानकारी दे कर उनसे सलाह-मशविरा कर उनके गांव के लिए पानी की सप्लाई की योजना तैयार करते हैं। इस योजना को 'ग्राम कार्य योजना' कहा जाता है और इसे लागू करने से पहले गाँव की ग्राम सभा से पास करवाना होता है।

इस 'ग्राम कार्य योजना' को तैयार करने के लिए प्रत्येक गाँव में ग्राम पंचायत के तहत अनिवार्य रूप से 'पानी समिति' गठित करनी होती है जिसमें 10-15 सदस्य होते हैं। इन सदस्यों में कम से कम 50% महिलाएं होनी चाहिएँ तथा गाँव के पिछड़े वर्गों (अनुसूचित जाति-जनजाति) को भी इसमें समुचित

प्रतिनिधित्व दिया जाता है।

गाँव वालों को पानी की सप्लाई की योजना अच्छी तरह समझाने और बाद में उसे चलाने और उसके रखरखाव के लिए क्या कुछ किया जाए इन सब बातों की जानकारी देने के लिए राज्य सरकारें 'जल जीवन मिशन' के तहत प्रत्येक गाँव में ट्रेनिंग की भी व्यवस्था कर रही हैं। यह ट्रेनिंग राज्य सरकार द्वारा चुनी गई खास एजेंसियों के जानकार लोगों द्वारा दी जाती है।

यही जानकार लोग गाँव के लोगों को विभिन्न हुनर भी सिखाते हैं ताकि गाँव के लोग अपनी पानी सप्लाई की पूरी व्यवस्था को बाद में खुद अपने बलबूते पर चला सकें। गाँव की 5 माताओं-बहनों को योजना के अंतर्गत सप्लाई किए जाने वाले पानी की जांच करने की ट्रेनिंग भी दी जाती है ताकि वे समय-समय पर पानी की जांच कर यह पक्का कर सकें कि गाँव में स्वच्छ और शुद्ध पानी ही पीने को मिल रहा है। पानी में कोई भी कमी पाये जाने पर गाँव वाले ज़िले के संबन्धित अधिकारियों को तत्काल जानकारी दे कर उस कमी को दूर करवा सकते हैं और यह सब जानकारी इंटरनेट और मोबाइल फोन से ली और दी जा सकती है ताकि इस कार्यक्रम के हर पहलू को पूरी तरह पारदर्शी और ईमानदार रखा जा सके।

महिलाओं की मजबूत भागीदारी

जल जीवन मिशन की योजना यूपी में खासकर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं और वंचित वर्गों को आगे बढ़ाने का बड़ा कार्य कर रही है। इसके लिए "पानी समितियों" में भी महिलाओं और समाज के पिछड़े वर्गों का अनुपातिक प्रतिनिधित्व शामिल किया गया है। अब यूपी में घरों के अंदर सिमटी, परदे और घूंघट तक सीमित रहने वाली महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। पानी की स्वच्छता को परखने का काम भी कर रही हैं। स्वच्छ पेयजल घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह उनके हाथों में सौपा गया है। वो पानी की टंकियों की जिम्मेदारी भी संभाल रही हैं। इन प्रयासों से गांव-गांव में कमजोर वर्गों में भी जिम्मेदार नेतृत्व तैयार हो रहा है।

यूपी के 90 प्रतिशत से अधिक स्कूलों और आंगनबाड़ी केन्द्रों तक पहुंची नल से जलापूर्ति

देश में सबसे अधिक आबादी वाले उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन की योजना से स्कूलों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में तेज गति से स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। अब ग्रामीण स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे और आंगनबाड़ी केन्द्रों में आने वाली महिलाएं और बच्चे स्वस्थ व निरोगी बन रहे हैं। यह पहला मौका है जब इतने बड़े राज्य में एक अभियान चलाकर गांव में बच्चों में फैलने वाली बीमारियों में कमी लाने के लिए प्रयास शुरू हुए। यूपी में 90 प्रतिशत से अधिक स्कूलों में नल से जल पहुंचाने का काम भी पूरा कर लिया गया है। बच्चों को पीने के लिए स्वच्छ पानी मिल रहा है। बच्चे हाथ धोने के लिए विद्यालय के जल का ही उपयोग कर रहे हैं। यूपी के ग्रामीण स्कूल परिसरों में ही पानी की बचत के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी लगाए गये हैं। हर घर को जल देने के साथ 90 प्रतिशत से अधिक आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। 68 जिलों में 75 प्रतिशत से ऊपर आंगनबाड़ी केन्द्रों तक नल के कनेक्शन पहुंच चुके हैं। विविधता से परिपूर्ण उत्तर प्रदेश में ग्रामीण स्कूलों की संख्या 1,22,784 और आंगनबाड़ियों की संख्या 1,72,946 है। भारत सरकार की योजना को तेजी से पूरा करते हुए यूपी के 1,11,176 स्कूलों और 1,56,416 आगंनबाड़ियों में शुद्ध पेयजल पहुंचा दिया गया है। इन संख्याओं में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ते यूपी की बदलती तस्वीर में बच्चों और गरीब महिलाओं को दी जा रही सुविधा बड़े आयाम गढ़ रही है।

घर-घर पानी खुद निगरानी

आम जन को अच्छी सेहत प्रदान करने और महिलाओं को स्वावलंबी व सशक्त बनाने की दिशा में घर-घर पानी के साथ खुद निगरानी सबसे बड़ा कदम है। सरकार का ये कदम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ग्राम्य स्वराज की परिकल्पना को साकार करने के लिए उठाए जा रहे हैं ताकि ग्राम वासी अधिकार सम्पन्न बन सकें और गांव के विकास संबंधी फैसले खुद ले सकें। जल जीवन मिशन यह पक्का करता है कि गांव वालों को जो पानी सप्लाई किया जा रहा है वह हर तरह से स्वच्छ और पीने लायक है।

जल जीवन मिशन की इस योजना ने ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य देने के साथ गांव में रहने वाली महिलाओं के लिए रोजगार के द्वार खोले हैं। पानी की जांच में महिलाओं की मदद एफटीके किट कर रही है। एफटीके पानी की जांच के लिए एक तरह की किट है। इस किट के जरिये पानी में मौजूद अर्सेनिक, हानिकारक बैक्टीरिया, रासायनिक अशुद्धियां, एलिमेंट, पार्टिकल्स आदि का पता लगाया जाता है। फील्ड टेस्ट किट से पानी की शुद्धता की जाचं आसानी से होती है। शाहजहांपुर, बिजनौर, फिरोजाबाद, पीलीभीत, बदायूं, बरेली, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अम्बेडकरनगर, संभल के राजस्व गांवों और बुंदेलखंड में सर्वाधिक

महिलाओं का प्रशिक्षण पूरा कराया जा रहा है। प्रदेश के अन्य जिलों में भी महिलाओं को एफटीके किट का प्रशिक्षण देने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। 4,80,205 महिलाओं ने पानी जांच की ट्रेनिंग को पूरा किया है।

देश में सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में गांव-गांव महिलाएं दूषित पानी पीने से होने वाली बीमारियों का खात्मा करने में मैदान में उतर चुकी हैं। नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से पीने के पानी की शुद्धता की जांच के लिए यूपी में से अब तक का सबसे बड़ा अभियान है। इस अभियान के तहत उत्तर प्रदेश में 4,80,205 महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट(एफटीके) ट्रेनिंग के लिए प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया यूपी में महिलाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य पूरा कर लिया गया है। इन महिलाओं ने 3107923 से अधिक पानी सैम्पल के परीक्षण पूरे कर लिये हैं। प्रत्येक गांव में पांच महिलाओं को पानी जांच का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए पानी के हर सैम्पल की जांच के लिए 20 रुपये भी दिये जा रहे हैं।

फील्ड जांच किट से पानी की गुणवत्ता की 12 तरह की जांच महिलाएं खुद कर सकती हैं। नल, कुआं, हैंडपम्प, ट्यूबवेल के पानी की गुणवत्ता परखी जा रही है। पीने के पानी में फ्लोराइड, आर्सेनिक जैसे घातक तत्वों की अधिकता पाए जाने पर जल निगम उस जल स्त्रोत को बंद करने या फिर समस्या के समाधान के प्रयास शुरु कर चुका है। महिलाएं पानी का नमूना एकत्र कर रही हैं और नमूनों को जांच के लिए जल संस्थान भेजा जा रहा है।

जल जीवन मिशन और ग्रामीण स्वास्थ्य

आम लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलू स्वच्छ और शुद्ध पीने का पानी ही है। पानी से होने वाली बीमारियां जैसे कि पेचिश, टाइफाइड और हैजा आदि अनेक लोगों, खासकर बच्चों को अपना शिकार बना लेती हैं। पानी की कमी, पानी के स्रोतों की कमी, पानी के दूषित होने और दैनिक जरूरतों के लिए अशुद्ध पानी का इस्तेमाल करने से सबसे ज्यादा प्रभावित गरीब और ग्रामीण लोग ही होते हैं इसलिए उनके स्वास्थ्य में सुधार के लिए नल से जल की सप्लाई सबसे महत्वपूर्ण है। ग्रामीण घरों में पीने का शुद्ध पानी होने से छोटे बच्चों, युवतियों और महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार आना तय है।

हर घर में नल से पीने योग्य पानी उपलब्ध होने से स्वस्थ रहने के साथ-साथ किशोरियाँ और युवतियाँ अपनी शिक्षा जारी रख सकेंगी और महिलाओं को अपने परिवार के साथ समय बिताने, अपने बच्चों को शिक्षित करने और अन्य सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों में शामिल होने का समय मिलेगा।

लाइफलाइन बनती वॉटरलाइन

जल जीवन मिशन योजना गांवों में जल के साथ जीविका भी पहुंचा रही है । केंद्र सरकार के सहयोग वाली हर घर नल योजना के जरिये राज्य सरकार ग्रामीण इलाकों में रोजगार की बड़ी खेप तैयार कर रही है। हर घर नल योजना के जरिये ग्रामीण इलाकों में रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जलापूर्ति व्यवस्था के संचालन के लिए प्रदेश में जहां संविदा सहायकों की भर्ती की जा रही है। वहीं योजना के मेंटीनेंस का जिम्मा संभाल रही कंपनियां हर जिले में 400 से 500 स्थानीय युवाओं की भर्ती कर रही हैं। स्थानीय लोगों को अपने गांव और कस्बे में ही फिटर, प्लंबर, मकैनिक और सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी मिल रही है। बुंदेलखंड के 7 जिलों में हजारों युवाओं को वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों पर रोजगार दिये जा रहे हैं।

जल जीवन मिशन के तहत युवाओं और महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। अब तक 74538 युवाओं को प्लंबिंग कार्य के लिए प्रशिक्षित किया जा चुका है। 75322 को इलैक्ट्रिशियन, 74672 को मोटर मैकेनिक, 75613 को फिटर, 88365 को राज मिस्त्री एवं 73124 को पंप ऑपरेटर के कार्य के लिए सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रदेश ही नहीं अन्य प्रदेशों के भी लोग मिशन के माध्यम से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार प्राप्त कर रहे हैं।

ग्रामीण इलाकों में हर 4 से 5 किलोमीटर पर ओवरहेड टैंक बनाए जा रहे हैं जिनसे आस पास के गांवों में जलापूर्ति की जाएगी। कई गांव में ओवरहेड टैंक बन चुके हैं और इनसे जलापूर्ति की जा रही है। जलापूर्ति की ज्यादातर व्यवस्था सेंसर आधारित आटोमोड है लेकिन सप्लाई सिस्टम की देख भाल और मरम्मत के लिए फिटर, प्लंबर, मकैनिक और सिक्योरिटी गार्ड रखे जा रहे हैं। 10 वर्षों तक जलापूर्ति व्यवस्था और ट्रीटमेंट प्लांट के देखभाल की जिम्मेदारी निर्माण कार्य करने वाली कंपनियों के हाथ में दी गई है।

बीमारियों से लड़ाई में महिलाओं की बड़ी सहभागिता

बढ़ते प्रदूषण में हम जो पानी पी रहे हैं उसके शुद्ध होने की पूरी गांरटी नहीं दी जा सकती है। यही वजह है कि हम शुद्ध पानी के लिए अपने घरों में वाटर प्यूरीफायर, फिल्टर का इस्तेमाल करते हैं। मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली चीजों में हवा के बाद पानी का ही स्थान है और यह भी सर्वविदित है कि पानी का सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ता है। इसलिए हमें शुद्ध –स्वच्छ हवा की तरह ही शुद्ध स्वच्छ पानी पीने की सलाह दी जाती है। बढ़ते प्रदूषण और दूषित पानी से होने वाली बीमारियां भी बड़ी समस्याओं में से एक है। डॉक्टरों की मानें तो पानी में फ्लोराइड की मात्रा अधिक पाए जाने से फ्लोरोसिस जैसी दांतों की बीमारी हो जाती है। आर्सेनिक की अधिकता से त्वचा पर दाग-धब्बे संबंधी बीमारी पनप आती है। दूषित पानी से गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जबकि शुद्ध पानी से दांतों की उम्र बढ़ेगी। त्वचा रोगों से भी छुटकारा मिलेगा। इसके इलावा उल्टी-दस्त, हैजा, टाइफाइड, मलेरिया, डेंगू, दांत, हड्डी, किडनी, लीवर व पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हो जाएगा।

जल जीवन मिशन; भविष्य की राह

देश के सभी ग्रामीण घरों और वहाँ स्थित सभी संस्थाओं (पंचायत घर, स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र, आदि) को, 5 वर्ष के भीतर यानि 2024 तक नल से शुद्ध पीने के पानी की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए 'जल जीवन मिशन' लगातार आगे बढ़ते हुए इन बातों पर विशेष ध्यान दे रहा है।

प्रत्येक ग्रामीण घर को पीने का शुद्ध पानी उपयुक्त प्रेशर पर निर्धारित मात्रा (घर के हर व्यक्ति के लिए हर दिन 55 लीटर के हिसाब से) में नियमित रूप से लंबे समय तक पक्के तौर पर मिलता रहे।

गांवों में पानी की सप्लाई का केवल बुनियादी ढांचा ही न खड़ा हो या केवल नल कनेक्शन ही लगा देना काफ़ी नहीं है बल्कि लंबे समय तक के लिए ऐसी 'सुनिश्चित सर्विस डिलीवरी' प्रदान की जाए, जो लोगों की पानी संबंधी किसी भी शिकायत को शीघ्रता से दूर करने के अत्याधुनिक इंतजाम से भी सुसज्जित हो

ग्राम पंचायत और उसकी समितियों से जुड़े लोगों को अच्छी तरह ट्रेनिंग दी जाए ताकि वे अपनी सभी ज़िम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभा सकें।

गांवों में पानी की सप्लाई से जुड़े कार्यों को पूरा करने और उसके बाद पानी की सप्लाई व्यवस्था को रोज़ाना चलाने और उसके रख रखाव के लिए ज़रूरी मिस्त्रियों, प्लमबरों, इलेक्ट्रिशियनों, मोटर मैकेनिकों, फ़िटरों, पंप ऑपरेटरों, आदि को ग्राम स्तर पर अच्छी-ख़ासी तादाद में तैयार किया जाए, जिसके लिए ग्रामवासियों को विभिन्न हुनर की ट्रेनिंग दे कर उन्हें इन कामों के योग्य बनाया जाए।

गांवों में पीने के पानी की क्वालिटी की जांच गाँव की पाँच महिलाओं की टोली द्वारा किए जाने के साथ ही वे ट्रेनिंग पा कर पानी की जांच संबंधी जानकारी को 'जल जीवन मिशन' के डबल्यू. क्यू. एम. आई. एस. पोर्टल पर अपलोड भी कर सकें।

ग्रामीण पानी सप्लाई की इस पूरी व्यवस्था को इंटरनेट और मोबाइल ऐप से इस तरह जोड़ा जाए कि आम लोग हर पहलू पर नज़र रख सकें और सारी जानकारी आसानी से हासिल कर सकें। इससे 'डिजिटल प्रशासन' को भी बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीण इलाकों में पीने के पानी की कभी कमी न हो इसके लिए जरूरी है कि ग्रामवासी वर्षा जल का संचयन करें, भूजल के भंडारों का उपयुक्त तरीकों से पुनर्भरण करें, पानी का सही ढंग से भंडारण करें तथा उसका उपयोग भी विवेकपूर्ण ढंग से करें।

घरों की रसोई और स्नान घर से निकलने वाले गंदले पानी ('ग्रेवॉटर') को गाँव में एक जगह सही ढंग से जमा कर उसका ट्रीटमेंट कर उसे खेती-बाड़ी आदि कामों के लिए इस्तेमाल करने पर विशेष जोर दिया जाए। कृषि कार्यों के लिए शुद्ध पानी की खपत कम करने के वास्ते गांवों में उपयुक्त फसलों को अपनाया जाए तथा ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी माइक्रो सिंचाई तरीकों का उपयोग किया जाए।

इन सब प्रयासों से हम अपने गांवों को 'WASH प्रबुद्ध' (WASH = water, sanitation and hygiene = जल, स्वच्छता एवं साफ़-सफ़ाई) बना सकेंगे, ताकि प्रत्येक गाँव गंदगी तथा कूड़े-कचरे से मुक्त हो, और उसके प्रत्येक घर में नल से शुद्ध पानी की सप्लाई हो ताकि प्रत्येक ग्रामवासी अपनी व्यक्तिगत साफ़-सफ़ाई पर भी पूरा ध्यान दे सके।

सफलता की कहानी

उन्नाव

अटवा गांव में बच्चों की मुस्कान से होती दिन की शुरुआत

उन्नाव जिले के सफीपुर विकास खंड का अटवा एक समृद्धशाली गांव होने के बावजूद बीमारी का अभिषाप झेलने को मजबूर था। 2246 की आबादी के सामने दूषित पानी बड़ी समस्या थी। हर साल मलेरिया, हैजा, टायफाइड समेत अन्य बीमारियां लोगों की जान ले लिया करती थी। महिलाओं को घरों से मीलों दूर नहरों से पानी भरकर लाना पड़ता था। पानी भरने में समय और बीमारियों के इलाज में सारा पैसा बर्बाद करते-करते गांव के लोग हार चुके थे। ऐसे में उन्नाव से 25 किमी की दूरी पर स्थित अटवा गांव में जल जीवन मिशन की हर घर नल योजना की शुरुआत होती है। देखते ही देखते यहां की स्थितियों में बड़े परिवर्तन दिखाई देने लगते हैं। गांव योजना की सफलता की कहानी बन जाता है।

अटवा ग्राम पंचायत में पानी की टंकी से पीने लायक पानी घर-घर तक पहुंचने लगता है। आज बदली परिस्थितियों में बीमारियों में कमी आने के साथ-साथ इलाज में बर्बाद होने वाले लाखों रुपये की बचत हो रही है। पीने के पानी के लिए बर्बाद होने वाला समय भी बचने लगा है। महिलाओं को पानी भरने के लिए मीलों दूर चलने से राहत मिली है। गांव की प्रधान कांति देवी और ग्राम पंचायत अधिकारी प्रद्युमन प्रजापति भारत सरकार की जल जीवन मिशन की तारीफ करते नहीं थकते हैं। कहते हैं कि योजना के गांव में आने से गांव को बीमारियों के अभिषाप से मुक्ति मिल रही है। बेटियों को शिक्षा पर ध्यान देने के लिए और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए अब पूरा समय मिल रहा है। समय पर पुरुष अपनी काम पर जा पाते हैं।

आगरा

विद्यापुर गांव में रेट्रोफिटिंग योजना से मिला घर-घर पानी

यमुना नदी के तट पर बसे आगरा जिले का विद्यापुर गाँव किरौली तहसील विकास खण्ड अछनेरा में स्थित है। जिला मुख्यालय आगरा से 24.5 किमी दूरी पर मौजूद इस गांव में कभी लोगों को पीने का पानी भरने के लिए जीवन को प्रत्येक दिन दांव पर लगाना मजबूरी होता था। पानी के लिए रेलवे लाइन को पार करना ग्रामीणों की दिनचर्या का हिस्सा था। ग्रामीण आसपास के गाँव से पानी लेकर आते थे जिसकी दूरी लगभग एक से दो किलोमीटर होती थी जिसमें ज्यादातार महिलायें और बच्चे को पानी ढोकर लाते थे। लड़के एवं लड़कियाँ स्कूल जाने से भी वंचित हो जाते थे।

जलस्त्रोत में खारापन और दूषित पानी से बीमारियाँ (गर्दन, पीठ, जोड़ो का दर्द, दाँतों का पीलापन आदि) होती थी जिससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव एवं धन की हानि होती थी। गांव में रहने वाले हाकिम सिंह और अनूप सिंह बताते हैं कि जब से रेट्रोंफिटिंग योजना के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नल कनेक्शन दिया गया। गांव में आज बदलाव आ चुका है लोग खुश हैं। घरेलू नल कनेक्शन के साथ-साथ सार्वजनिक संस्थान जैसे ग्राम पंचायत भवन, स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र, कल्याण केन्द्र आदि में भी नल कनेक्शन दिया गया। इस योजना का उद्वेश्य पानी की आपूर्ति के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण कर प्रत्येक ग्रामीण परिवार को पर्याप्त मात्रा में पानी नियमित रूप से उपलब्ध होने लगा।

रेट्रोंफिटिंग योजना के अन्तर्गत पानी की निरंतर पूर्ति के लिए पेयजल स्रोतों का विकास और मौजूदा स्रोतों का संवर्धन किया गया है। पुरानी योजनाओं को नए सिरे से शुरू किया गया है। इसमें रेट्रोफिटिंग के तहत अब तक 356 फंक्शनल हाउसहोल्ड टैब कनेक्शन दिए गए हैं जिनसे लगभग 5950 से अधिक लोगों को नल से शुद्ध पीने योग्य जल मिलने लगा है। गाँव के लोगों में खुशियों की लहर उमड़ने लगी और जो बच्चे पानी लाने की वजह से स्कूल निरंतर नहीं जा पा रहे थे अब वह समय से स्कूल पहुँचने लगे और ग्रामीण लोग समय पर अपने रोजगार पर जाने लगे। रेट्रोंफिटिंग योजना से गाँव के लोगों को स्वच्छ पीने का पानी पर्याप्त मात्रा में मिलने लगा है। नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने युद्वस्तर पर रेट्रोंफिटिंग योजना का लाभ गाँव के लोगों तक पहुँचाया है। सरकार के प्रयासों से गाँव के हर घर में नल से पीने का स्वच्छ पानी मिल रहा है। पानी की किल्लत से जूझने वाले विद्यापुर गाँव के लोगों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है।

शाहजहांपुर

नया इतिहास लिख रही शाहजहांपुर की सुजातापुर ग्राम पंचायत

आजादी मिलने के बाद भी स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में बड़ी भूमिका अदा करने वाले यूपी के शाहजहांपुर जिले की भूमि पर पीने के शुद्ध पानी के लिए संघर्ष की कहानी 2019 से पहले तक बदस्तूर जारी थी। यहां के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के लिए दूषित पानी पीना मजबूरी था। पानी का पीलापन, पानी में दुर्गंध आना, अनेक प्रकार की रायायनिक अशुद्धियां और टीबीडीटी गांव वालों के लिए बड़ी चिंता थी। केन्द्र में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद जब भारत सरकार की जल जीवन मिशन की योजना से यूपी के गांवों का जुड़ना शुरु हुआ तो दूर-दराज और पिछड़े रहे गांवों में भी रोशनी की नई किरन जागी। वहां पर स्थतियों का बदलना शुरू हुआ। कुछ ऐसी ही दास्तान शाहजहांपुर की सुजातापुर ग्राम पंचायत की है। जो पीने के पानी में अशुद्धियों से जूझ रहा था।

जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के आगे बढ़ने के साथ ही सुजातापुर ग्राम पंचायत आज एक नया इतिहास लिखने की पंक्ति में खड़ा है। ग्राम पंचायत को जिले में सबसे पहले जल जीवन मिशन के तहत शुद्ध पानी मिलने का गौरव जो मिलने जा रहा है। इसकी खुशी गांव के लोगों में देखते ही बन रही है। पानी में गंदगी और पीलेपन होने की समस्याओं को वर्षो से झेल रहे सुजातापुर ग्राम पंचायत को अगले चंद महीनों में शुद्ध पानी की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। योजना के तहत गांव में पाइपलाइन बिछ गई है, घरों में नलों के कनेक्शन हो गये हैं। गांव में 22 फुट पानी की टंकी का निर्माण हो चुका है। टंकी की बोरिंग 450 फुट गहराई तक की गई है। जल जीवन मिशन की योजना 306 परिवारों वाले इस गांव में रहने वाले 2200 लोगों की जिंदगी में नया सवेरा लेकर लाई है। इसकी खुशी यहां निवास करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के चेहरे पर झलक रही है। मुख्यालय से 15 किमी की दूरी पर स्थित गांव में में जैसे-जैसे हर घर जल के काम ने तेजी पकड़ी गांव के लोगों की उम्मीदों को पंख लगने लगे। टंकी का निर्माण शुरू होने के बाद उनकी आशाएं पूरी होने लगी। ह

मैनपुरी

छाछा गांव में अब घर-घर पानी

आगरा मण्डल के मैनपुरी जिले का छाछा गांव। आज इस गांव के घर-घर में शुद्ध पीने का पानी टोंटी खोलते ही आने लगता है। पीने का शुद्ध पानी यहां के हर परिवार के लिए खुशियों की सौगात लाया है। 80 प्रतिशत बीमारियां कम होने से उसपर खर्च होने वाला पैसा बच रहा है। समय की बचत ने महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाया है। अब वह अपना रोजगार चला रही हैं। उनकी आमदनी में वृद्धि हो रही है। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में समय दे पाती हैं। दिनचर्या में भी सुधार आ रहा है। शुद्ध पेयजल का लाभ लेने के लिए गांव के लोग ग्राम पेयजल स्वच्छता समिति के खाते में प्रत्येक महीने 50 रुपये भी जमा कराने लगे हैं। मैनपुरी मुख्यालय से 15 किमी दूरी स्थित छाछा गांव में इतना बड़ा बदलाव जल जीवन मिशन की योजना से गांव को लाभ मिलने के बाद दिखाई दे रहा है।

एक समय था जब मैनपुरी के इसी छाछा गांव में दूषित पानी पीने को गांव के लोग मजबूर थे। फल स्वरूप पेट में दर्द और डायरिया जैसी बीमारियां आम थीं। हर तीसरे परिवार में यही समस्या थी। पीने का पानी भरने और घर के काम निपटाने के बाद महिलाएं अपने बच्चों की बीमारी में परेशान रहा करती थी। बीमारी पर खर्चा महीने का सारा बजट बिगाड़ देता था। अस्त-व्यस्त जीवन होने से दुखी रहना जैसे इस गांव के लोगों ने अपना नसीब समझ लिया था। यहां पीने के पानी का मात्र एक साधन खैचू हैंड पंप हुआ करता था। जिससे पानी भरते-भरते कई लोगों की जिंदगी गुजर गई। 13,223 की आबादी वाले इस गांव के लोग शुद्ध पीने का पानी मिलने की उम्मीद छोड़ चुके थे। सुल्तानगंज विकास खंड के इस गांव की साक्षरता दर 66.03% आगे न बढ़ने का कारण भी पीने के पानी को भरने में बीतने वाला समय और बीमारी के इलाज में बर्बाद होने वाला समय ही कहा जा सकता है।

फिरोजाबाद

शिमला मिर्च की खेती करने वाले किसानों के दांतों की लौटी चमक

चलिये हम आपको ले चलते हैं फिरोजाबाद जिले के नारखी विकासखंड की एक ग्राम पंचायत गढ़ी हंसराम में, जो शिमला मिर्च की खेती के लिए मशहूर है। यहां रहने वाली 20 प्रतिशत आबादी केवल कृषि पर निर्भर है। दिल्ली और आगरा की मण्डियों में यहां के किसान खुद अपनी फसल बेचने जाते हैं। इस गांव में पीने के पानी में फ्लोराइड की अधिकता हमेशा से बड़ी समस्या रही है। यहाँ ग्रामवासियों के दाँत काले पड़ जाना आम बात थी। गर्दन, पीठ, कंधे व घुटने के जोड़ों व हड्डियों में दर्द से लोग यहां हमेशा दुखी रहते थे। कई परिवार तो ऐसे भी थे जिनमें हाथ-पैर की हड्डियां टेढ़ी होने के साथ कैंसर और किडनी के रोग के इलाज में लाखों रुपये खर्च हुआ करते थे। पीने के पानी के लिए लोगों को घरों से दूर खेतों में लगे बोरिंग से पानी भरकर लाना पड़ता था जिसमें काफी समय बीत जाता था।

भारत सरकार की जल जीवन मिशन की योजना ने हर घर को पीने के शुद्ध पानी देने के साथ ही इस गांव में फ्लोराइड की अधिकता की समस्या को दूर करने के प्रयास शुरू किये। गांव में जल जीवन मिशन के तहत ओवर हैड टैंक का निर्माण तो कराया ही गया साथ में फ्लोरोइड रिमूवल प्लांट भी लगाया गया। इस गांव में 250 टैप कनेक्शन भी किये जा चुके हैं और लोगों में शुद्ध पेजयल मिलने की खुशी दिखाई पड़ रही है। भारत सरकार की योजना के इस गांव में आते ही गांव की स्थिति में बदलाव आना शुरू हो गया। बीमारियों में कमी आने के साथ ही लोगों को फ्लोराइड की अधिकता से छुटकारा मिलने लगा है। जिला मुख्यालय से करीब 23 किमी की दूरी पर स्थित गांव की आबादी 5400 है। इनमें 2925 पुरुष और 2475 महिलाएं शामिल हैं। विकासखंड नारखी से पांच किमी की दूरी पर स्थित गढ़ी हंसराम ग्राम पंचायत के लोगों की जिंदगी में बदलाव आने लगा है। हर घर नल से शुद्ध जल मिलने से गांव की सेहत सुधारी है, बीमारियों से राहत मिलने से लोगों के चेहरों पर खिलखिलाहट नजर आने लगी है। बीमारी पर होने वाले खर्चे से मुक्ति मिलने के साथ-साथ कृषि पर ध्यान देने के लिए उनको और अधिक समय मिलने लगा।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

महोबा

आल्हा-ऊदल की धरती महोबा में जल जीवन मिशन वरदान साबित हो रही है। योगी सरकार ने यहाँ घर-घर नल से जल सप्लाई शुरू कराई है। वर्षों से पानी का संकट झेल रहे महोबा में जल जीवन मिशन की योजना नए आयाम स्थापित करने जा रही है। शिवहर और लहचुरा के साथ जल जीवन मिशन की कई योजनाएं पूरी होने जा रही हैं। महोबा में चरखारी विकास खंड के शिवहर गांव में ग्राम समूह पेयजल योजना बन कर तैयार हो चुकी है। योजना से 69 गांवों के 27492 परिवारों को शुद्ध पेयजल मिलने लगेगा। योजना से कुल 137460 जनता लाभान्वित होगी। 5 इंटेकवेल और 5 वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट यहां जन-जन तक स्वच्छ पेजयल की सप्लाई में सहायक बनने जा रहे हैं। बुंदेलखंड और खासतौर पर महोबा में पानी के लिए लोगों को दूर-दराज दौड़ लगानी पड़ती थी। जल जीवन मिशन की योजना शुरू होने के बाद लोगों को घरों तक नल से कनेक्शन मिले हैं। घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचने से महिलाओं को राहत मिल रही है। वो घर का कामकाज करने के साथ बच्चों की पढ़ाई के लिए भी समय निकाल पा रही है। महोबा के गांव-गांव में योजना से लाभान्वित लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं है। 252.45 करोड़ की लागत से महोबा में शिवहर ग्राम समूह पेयजल योजना का काम लगभग पूरा हो चुका है। योजना के तहत अभी तक 12571 नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। बचे हुए नल कनेक्शनों का काम तेज गति से पूरा कराया जा रहा है।

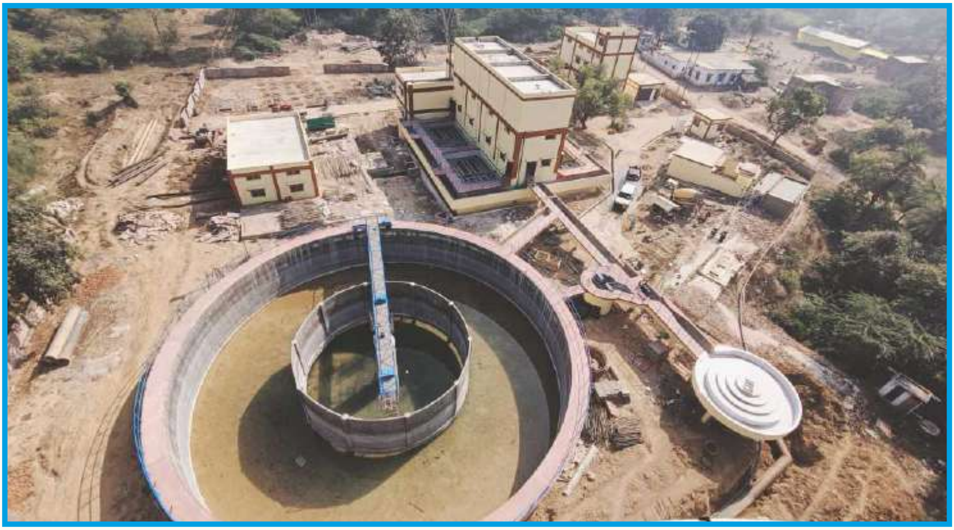

हमीरपुर

लाल रेत की भूमि कहे जाने वाले बुंदेलखंड के हमीरपुर जिले के हर घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य शीघ्र ही प्राप्त होने वाला है। जिले में जहां नदियों व बांधों से पाइप पेयजल की पूर्ति की जा रही है वहीं 125 गाँवों में भूजल आधारित ट्यूबवेल स्कीम का कार्य पूरा किया जा रहा है। जल जीवन मिशन की पत्यौरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना का लगभग 80 प्रतिशत काम यहां पूरा कर लिया गया है। विभाग की योजना हमीरपुर जिले के हर घर तक नल से पेयजल की सप्लाई शुरु कराना है। योजना के तहत 187946 हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन दिये जाने हैं । लगभग 51 प्रतिशत कार्य पूरा करते हुए 97342 से अधिक परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई की जा रही है। खास बात यह है कि यहां पत्यौरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना से विकासखंड सुमेरपुर एवं मौदहा के 148 राजस्व गांव लाभान्वित होंगे। योजना के तहत 2 सीडब्ल्यूआर और 7 ओएचटी एवं डब्ल्यूटीपी का सिविल कार्य पूरा हो चुका है। सीडब्ल्यूआर एवं ओएचटी का शेष बचा कार्य किया जा रहा है। कार्यदायी संस्था ने गांवों में ट्रायल एवं टेस्टिंग की कार्यवाही भी शुरू करा दी है।

चित्रकूट

भगवान राम की तपोस्थली चित्रकूट में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं का 50 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा होने जा रहा है। बुंदेलखंड में अपनी अलग पहचान लिये चित्रकूट जिले के गांवों में पीने का पानी मिलना कभी बड़ी समस्या हुआ करती थी। महिलाएं हों या पुरुष सभी का जीवन परिवार के लिये जल खोजने और फिर ढोकर घर तक लाने में बीत जाता था। जल जीवन मिशन की योजना के मूर्त रूप लेने के बाद से यहां पर दिखाई दिये गये बदलावों की कल्पना नहीं की जा सकती थी। हर घर तक पाइप लाइन और टैप कनेक्शन और फिर नल से जल मिलने तक का ग्रामवासियों का सपना साकार हुआ है। उनकी खुशियों का ठिकाना ही नहीं है। आज वो स्वच्छ पेयजल मिलने से खुशी से झूम रहे हैं। तीन इंटेकवेल और तीन डब्ल्यूटीपी बनने के साथ ही यहां 1,54,237 परिवारों तक पेयजल पहुंचाया जाना है। तेजी से कार्य करते हुए 80,099 घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंच चुका है। सिलौटा और चांदीबांगर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और रैपुरा ग्राम समूह पेयजल परियोजना लक्ष्य प्राप्ति की ओर से बढ़ रही है।

बांदा

महर्षि वामदेव की तपोभूमि बांदा के लिए जल जीवन मिशन योजना वरदान बनने जा रही है। बांदा में रहने वाले जन-जन को नल से जल पहुंचाने की तैयारी अंतिम चरण में है। दुनिया की सबसे बड़ी ग्रामीण पेयजल योजनाओं में शुमार होने जा रही बांदा की खटान पेयजल परियोजना लगभग पूरी तरह से तैयार है। इस योजना से कई गांवों में पेयजल आपूर्ति का ट्रायल रन भी शुरू कर दिया गया है। अमली कौर पेयजल परियोजना का भी लगभग 90 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो गया है। 10 प्रतिशत फिनिशिंग का कार्य किया जा रहा है। परियोजनाओं के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और इंटेकवेल बनाए जा रहे हैं। जल जीवन मिशन की खटान और अमली कौर पेयजल परियोजनाओं से 617 गांव में रहने वाली 10,88,835 से अधिक लोगों की प्यास बुझेगी। बीमारियों से राहत मिलने के साथ नलकूप और सर्फेस वाटर सप्लाई आधारित योजनाओं का लाभ बांदा जिले के लिए वरदान साबित होगा। जल जीवन मिशन की योजना से बांदा में 267539 परिवारों को नल कनेक्शन दिये जाने हैं। लक्ष्य को पूरा करने में जुटे अधिकारी 105415 से अधिक परिवारों को नल कनेक्शन दे चुके हैं।

ललितपुर

कैलगुवां गांव का पानी से रिश्ता हुआ मजबूत

कभी यहां की महिलाएं कुंए से पानी खींचकर हाफ जाया करती थीं, पानी के पीछे भागते-भागते इनकी जिंदगी पस्त हो जाती थी। सिर पर पानी ढोकर एक किमी चलना बड़ा भारी हुआ करता था। गर्मी के मौसम में चढ़ती धूप तकलीफें और बढ़ा देती थीं। ऊपर से पानी में गंदगी और उसके दूषित होने से बीमारियां गांव के लोगों को छोड़ नहीं रही थीं। आए दिन परिवार में कोई न कोई बीमार रहता था। कुपोषण के अभिषाप से गांव के लोग त्रस्त थे। पर, आज इस गांव का समय बदल चुका है और देखते-देखते स्थितियों ने परिवर्तन का रुख किया है। जल जीवन मिशन की योजना गांव के प्रत्येक नागरिक के लिए आशा की किरण लेकर आई है। बात हो रही है ललितपुर के बार विकास खंड के कैलगुवां ग्राम पंचायत की। जहां के 720 घरों में नल कनेक्शन होने के साथ यहां पीने का शुद्ध पानी भी पहुंचने लगा है। इस परिवर्तन ने गांव में रहने वाले परिवारों के जीवन में बदलाव लाया है। यहां की महिलाएं बताती हैं कि पहले एक किमी तक पीने का पानी भरने के लिए जाना पड़ता था लेकिन जब से घर में नल का कनेक्शन हुआ और उसमें से शुद्ध पानी आने लगा तब से उनको पानी के लिए दौड़ना बंद हो चुका है। अब उनका काफी समय बच रहा है। जिसको वो बच्चों को पढ़ाने और परिवार में लगा रही हैं। पशुओं को पानी मिलना आसान हो गया है। महिलाओं ने यहां फील्ड टेस्ट किट से पानी की जांच की है और पानी से होने वाली बीमारियों से भी गांव के लोगों को राहत मिली है। ग्राम प्रधान नंदलाल कहते हैं कि उनके गांव में पानी की गुणवत्ता की जांच की जा रही है, जो एक अच्छी पहल है। शुद्ध पीने का पानी घरों तक पहुंचे इसको सुनिश्चित किया जा रहा है। गांव में मिशन की योजना से खुशी की लहर है।

झांसी

झांसी जिला उत्तर प्रदेश राज्य के बुंदेलखंड जिलों में से एक है। झांसी शहर जिला और आयुक्त मुख्यालय है। जालौन, हमीरपुर, महोबा और दक्षिण में टीकमगढ़ और ललितपुर जिले से घिरा हुआ है। ऐसे झांसी जिले में कभी लोगों के लिये पीने का पानी बड़ी समस्या थी।

चट्टानी क्षेत्र होने के कारण पीने का पानी मिलने में होने वाली जद्दोजहद से लोग परेशान हो चुके थे। जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के संचालित होने के बाद यहां की तस्वीर ही बदल गई। अब यहां हर घर जल पहुंचने लगा है। चट्टानों को तोड़कर पानी की पाइप लाइनों को बिछाने के साथ जल स्त्रोत खड़े हो रहे हैं। 135367 घरों तक नल से जल पहुंच रहा है।

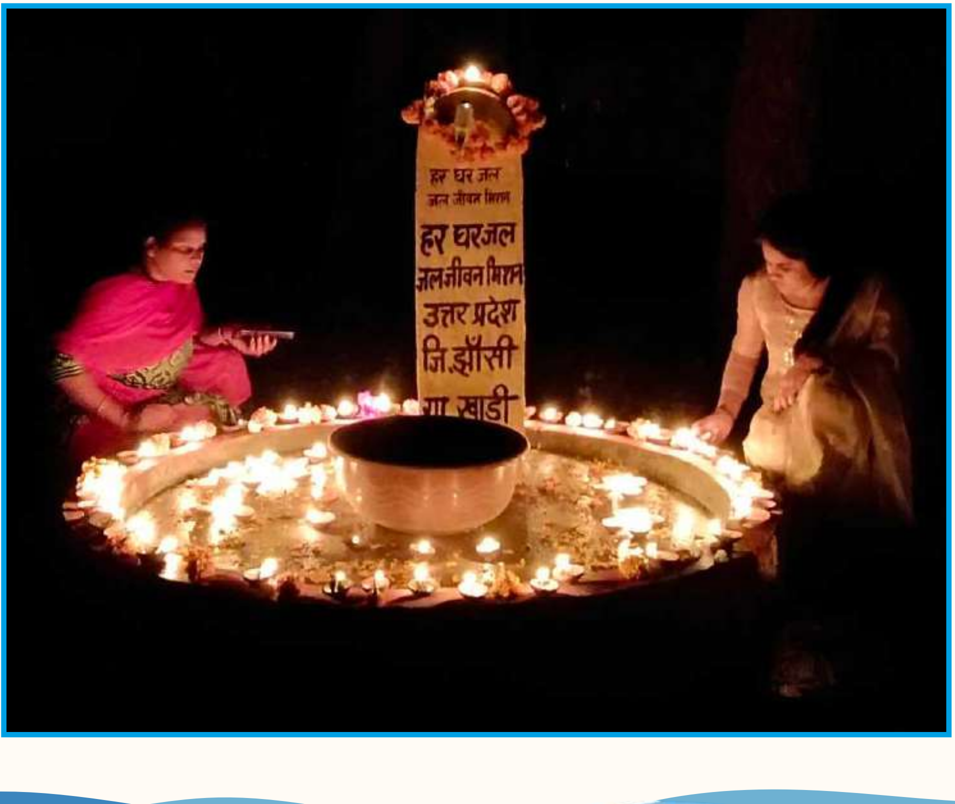

विंध्य का विकास

मिर्जापुर

अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विंध्याचल धाम के लिए मशहूर मिर्जापुर में जल जीवन मिशन योजना से हर घर जल पहुंच रहा है। जल जीवन मिशन के तहत प्रस्तावित कार्यों के क्रियान्वयन में मिर्जापुर उच्च स्थान पर है। योजना से 345648 परिवारों को हर घर नल से परिपूर्ण किया जाना है।

अभी तक 194653 घरों तक पेयजल पहुंचा दिया गया है। योजना का 55.86 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। प्रतिदिन दो हजार नल कनेक्शन दिये जाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे मिर्जापुर जिले में योजना का काम तेज गति से पूरा हो रहा है। पथरीली भूमि पर पीने का स्वच्छ पानी पहुंचाने के लिये विभाग की ओर से यहां 9 इंटेकवेल और 9 वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जा रहे हैं। परियोजना के तहत जिले में 9591 किमी लंबी जलापूर्ति की पाइप लाइन बिछाने का लक्ष्य है। इसमें से अब तक 8813 किमी लंबी पाइप लाइन बिछाई जा चुकी है। योजना के तहत 307 ओवरहेड टैंक के माध्यम से जलापूर्ति की व्यवस्था की जानी है। प्रस्तावित ओवरहेड टैंक का काम भी अंतिम चरण में है।

सोनभद्र

उत्तर प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा जिला जहां सोन नदी पश्चिम से पूर्व की ओर बहती है। पठारी क्षेत्र होने के साथ ऋषि कण्व की तपोस्थली के रूप में विख्यात सोनभद्र जिला विंध्य क्षेत्र का हिस्सा है। इस जिले में पीने के पानी का संकट काफी समय से रहा है। ऐसे में इस जिले में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना का लाभ देने का काम तेजी से किया गया जिससे यहां बदलाव आ सके। योजना को मूर्त रूप देने में पूरा अमला जुटा जिसका असर भी हुआ जो आज यहां पीने के पानी की समस्या नहीं रही। 99723 परिवारों तक नल से जल पहुंचने लगा है। योजना का 40 प्रतिशत काम यहां पूरा होने जा रहा है। जबकि यहां पानी के संसाधनों को विकसित करना कठिन कार्य था, इसके बावजूद मजबूत इरादों के साथ नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अधिकारी पूरी ताकत से जुटे हैं।

हर घर जल : बदलते प्रदेश की खुशहाल तस्वीर

Uttar Pradesh | Status of tap water supply in rural homes

Total number of households (HHs)	Households with tap water connections as on 15 Aug 2019	Households with tap water connections as on date
		+27,779
2,62,53,542	5,16,221	72,88,639
	(1.97%)	(27.76%)

Remaining households as on 15 Aug 2019	Households provided with tap water connection since launch of the Mission
2,57,37,321	67,72,418 (26.31%)

Status of progress in village

Total Village : 97,021

Villages with 100 % HH tap connection	Villages where WS work in progress	Villages where WS work yet to start
5,590	35,755	55,676
Villages where VWSC are formed	**Village action plan made**	**Village with grey water management plan**
95,652	96,255	0

* WS = Water supply

हर घर जल : बदलते प्रदेश की खुशहाल तस्वीर

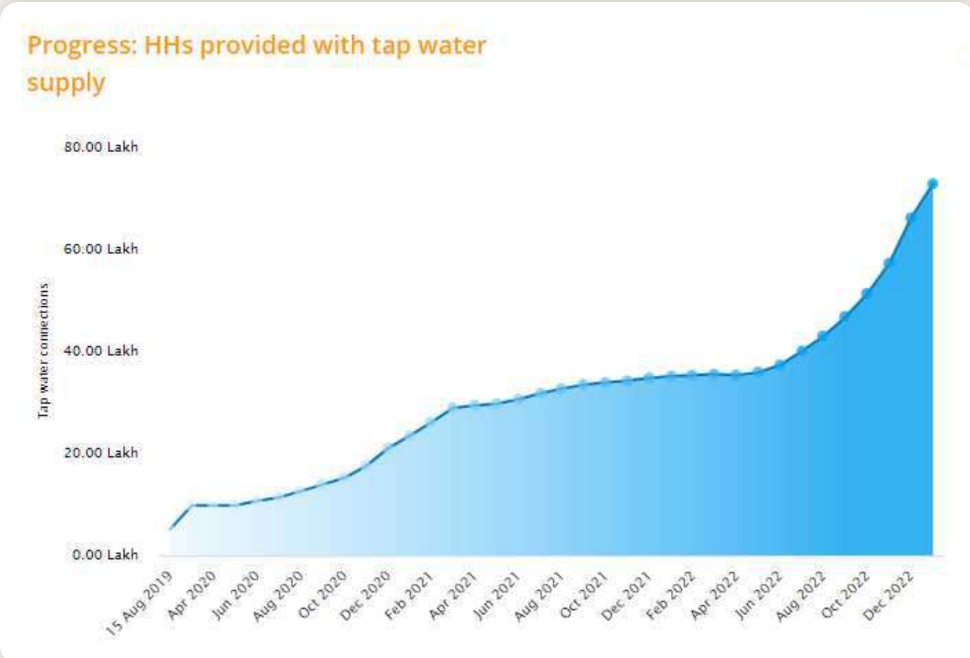

ग्रामीण स्कूलों में नल से पहुँच रहा जल

Uttar Pradesh |

Tap water supply in schools/ AWCs/ GPs/ CHCs etc.

Tap water supply in schools	Tap water supply in anganwadis (AWCs)	Tap water supply in GPs/ CHCs etc.
1,11,178	1,56,987	54,075
(90%)	(90%)	(48%)

Details of facilities in schools

Tap water supply in toilets/ urinals	Tap water supply for hand washing	Provision of rainwater harvesting	Provision of grey water reuse
89,915	90,951	191	220

Progress: Schools provided with tap water supply